❖ ...क्या `दलबदलू' भाजपा में `हरिकीर्तन' करने आ रहे? 2
❖ लोस चुनाव 2024 को लेकर भाजपा चुनाव संचालन समिति की हुई बैठक 5
❖ सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से पांच कंपनियों का मार्केट कैप 2.3 लाख करोड़ घटा 7
❖ तो ये ट्रिक्स अपनाकर... 12

अखबार वो जो दिखाता है सच

तेजयुग न्यूज़

हिन्दी दैनिक

स्थापना दिवस 2024

www.tejyug.com

• वर्ष/year : 01 • अंक/issu : 79 • पृष्ठ/page 12 • मूल्य/rate : 3 ₹

• मंगलवार, 19 मार्च, 2024
• Tuesday, 19 March, 2024

हापुड़ से प्रकाशित/ Published From Hapur

UPHIN/2023/51292

'आप चुनिंदा जानकारी नहीं दे सकते'

चुनावी बॉन्ड: एसबीआई को सुप्रीम फटकार, कहा सब कुछ बताना होगा

तेजयुग न्यूज

नई दिल्ली। चुनावी बॉन्ड पर हुई ताजा सुनवाई में आज फिर सुप्रीम कोर्ट ने रइक के फटकार लगाई है। कोर्ट ने सुनवाई में कहा कि उसने एसबीआई से चुनावी बॉन्ड से संबंधित सभी जानकारी का खुलासा करने को कहा था और जिसमें चुनावी बॉन्ड नंबर भी शामिल थे।

सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि एसबीआई को चुनिंदा जानकारी का खुलासा नहीं करना चाहिए।सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि वह एसबीआई से चुनावी बॉन्ड नंबरों का खुलासा करने के लिए कहेगा। कोर्ट ने एसबीआई चेयरमैन को गुरुवार शाम 5 बजे तक एक हलफनामा दाखिल करने का निर्देश

दिया, जिसमें बताना होगा कि एसबीआई ने सारी जानकारी का खुलासा किया है। इसी के साथ जो भी बॉन्ड के पैसे निकाल लिए गए हैं, उनके अल्फान्यूमेरिक संख्या और सीरियल नंबर भी बताने होंगे।

यूनिक नंबर भी बताना होगा

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हमने पिछली सुनवाई के दौरान भी कहा था कि आपको चुनावी बॉन्ड पर यूनिक नंबर भी बताना होगा, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। कोर्ट ने कहा कि बैंक को केवल हमाने आदेश पर ही निर्भर नहीं रहना चाहिए।कोर्ट ने इसी के साथ कहा कि चुनाव आयोग एसबीआई से जानकारी प्राप्त होने पर तुरंत अपनी वेबसाइट पर विवरण अपलोड करेगा।

केंद्र ने कोर्ट में क्या कहा?

केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि चुनावी बॉन्ड का अंतिम उद्देश्य काले धन पर अंकुश लगाना था और शीर्ष अदालत को पता होना चाहिए कि इस फैसले को अदालत के बाहर कैसे रखा जा रहा है।

सुनवाई के दौरान एसबीआई ने कहा कि वह अपने पास मौजूद हर जानकारी शीर्ष कोर्ट को देगा और बैंक ने यह भी कहा कि उसने अब तक अपने पास मौजूद किसी भी जानकारी को छिपाकर नहीं रखा है।

सत्येंद्र जैन को सुप्रीम झटका खारिज की जमानत याचिका

तेजयुग न्यूज

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन को सुप्रीम कोर्ट से झटका लगा है। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सुप्रीम कोर्ट ने उनकी जमानत याचिका सोमवार को खारिज कर दी। अब उन्हें तुरंत सरेंडर करना पड़ेगा। फिलहाल वह स्वास्थ्य कारणों के चलते अंतरिम जमानत पर थे।

जस्टिस बेला एम त्रिवेदी और जस्टिस पंकज मित्थल की पीठ ने इस संबंध में अपना फैसला सुनाया। सत्येंद्र जैन को ईडी ने मई 2022 में गिरफ्तार किया था। चिकित्सा आधार पर कोर्ट ने उन्हें 26 मई 2023 को जमानत दी थी।

तब उन्हें छह हफ्ते के लिए छोड़ा गया था, लेकिन बाद में धीरे-धीरे इसकी अवधि बढ़ती गई। सुप्रीम कोर्ट ने इस दौरान उनसे मीडिया के समक्ष बयान देने और राजनीतिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेने से मना किया था।

वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी ने सुप्रीम कोर्ट से जैन को जमानत देने का आग्रह किया था और कहा था कि गवाहों के लिए किसी भी तरह का खतरा नहीं है।

वहीं ईडी ने पूर्व मंत्री की जमानत याचिका का विरोध करते हुए कहा था कि जब भी वह जेल से बाहर आना चाहते हैं, तो वह चिकित्सा आधार पर जमानत लेते हैं।

हापुड़ पारा अपडेट

मैक्सिमम	मिनीमम
22.00 °C°C	11.00 °C°C

सूर्यास्त (आज) ›› 17 .10 बजे

सूर्योदय (कल) ›› 06 .25 बजे

जर्मनी के उत्तरी सागर के इलाके का अजीब हाल, तूफान से समुद्री तट के सारे रेत उड़ गये

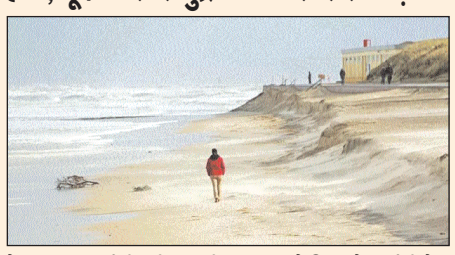

देहरादून: नार्थसी: शीतकालीन तूफान ने फिर से जर्मनी के उत्तरी सागर द्वीप के समुद्र तटों को रेत से रहित कर दिया है। जर्मनी के लोकप्रिय नॉर्थ सी बीच रिसॉर्ट्स, जिनमें सिल्ट का हाई-एंड रिसॉर्ट भी शामिल है, समुद्र तट पर जाने के मौसम में एक बड़ी समस्या लेकर आ रहे हैं कि वहां पर्याप्त रेत नहीं। अशांत तूफान के मौसम ने वांगरूगे के मुख्य समुद्र तट को लगभग पूरी तरह से बहा दिया है। शहर के मेयर के प्रतिनिधि रीका बीवेन ने कहा, यह काफी आपदा है। लगभग 80,000 घन मीटर रेत गायब थी। नॉर्दर्नी और बाल्ट्रम द्वीपों ने भी रेत के महत्वपूर्ण नुकसान की सूचना दी। परिणामस्वरूप, कुछ समय के लिए बाल्ट्रम पर सामान्य से कम समुद्र तट कुर्सियाँ स्थापित की जा सकीं। समुद्र तटों को द्वीपों के पूर्वी हिस्सों से पिकअप लॉरियों द्वारा पहुंचाई गई रेत से फिर से भरना है। डीपीए द्वारा किए गए द्वीप नगर पालिकाओं के एक सर्वेक्षण के अनुसार, लोअर सैक्सोनी के तट पर पूर्वी पश्चिमी द्वीपों में श्लेस्विग-होल्स्टीन में उत्तरी पश्चिमी द्वीपों की तुलना में अधिक रेत की हानि दर्ज की गई।

आचार संहिता लागू होने के बाद चुनाव आयोग की कार्रवाई

बंगाल के डीजी और छह गृह सचिव हटाये गये

तेजयुग न्यूज

नई दिल्ली: चुनाव आयोग ने सोमवार दोपहर को छह गृह सचिवों को हटाने के आदेश जारी किए - जिनमें गुजरात, बिहार और उत्तर प्रदेश के शीर्ष नौकरशाह भी शामिल हैं। चुनाव पैनल ने पश्चिम बंगाल के पुलिस महानिदेशक के स्थानांतरण का भी निर्देश दिया, जो राज्य के शीर्ष पुलिस अधिकारी हैं, जिन्होंने हाल के वर्षों में चुनाव संबंधी हिंसा के कई मामले देखे हैं। पोल पैनल ने आगे कहा कि तीन संभावित प्रतिस्थापनों की एक शॉर्टलिस्ट तैयार की जानी थी और शाम 5 बजे तक जमा की जानी थी। बड़े चुनावों से पहले चुनाव आयोग द्वारा फेरबदल एक असामान्य कदम नहीं है, इसमें झारखंड, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के गृह सचिवों के साथ-साथ मिजोरम और हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्रियों के कार्यालयों से जुड़े वरिष्ठ अधिकारियों का स्थानांतरण भी शामिल है।

इसके अलावा, बृहन्मुंबई नगर निगम के आयुक्त इकबाल सिंह चहल और पूरे महाराष्ट्र में नगर पालिकाओं के अन्य अधिकारियों को भी हटा दिया

गया है। यह सब 2024 के लोकसभा चुनाव से एक महीने से भी कम समय पहले हुआ है; ईसीआई ने शनिवार को कहा कि मतदान 19 अप्रैल से शुरू होगा और 1 जून तक सात चरणों में चलेगा। वास्तव में, मतदान की तारीखों की घोषणा के बाद से ईसीआई द्वारा नौकरशाही में यह पहला फेरबदल है।

ईसीआई का यह कदम मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार और उनके दो सहयोगियों, नवनियुक्त ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू की बैठक के बाद आया है। यह कदम आगामी लोकसभा और विधानसभा चुनावों के साथ-साथ 13 राज्यों की 26 सीटों के लिए उप-चुनावों में सभी राजनीतिक दलों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने की चुनाव आयोग की प्रतिबद्धता के हिस्से के रूप में आता है।

सूत्रों ने कहा कि हटाए गए कर्मियों को प्रत्येक राज्य के संबंधित मुख्यमंत्रियों के कार्यालयों में दोहरा प्रभार मिला हुआ पाया गया, और इससे समझौता हो सकता है, या समझौता करने वाला देखा जा सकता है, विशेष रूप से पहले कानून-व्यवस्था के संबंध में तटस्थता की आवश्यकता होती है। मतदान के दौरान और उसके बाद। उदाहरण के लिए, उत्तर प्रदेश के मामले में, संजय प्रसाद - मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रमुख सचिव - को 2022 में गृह विभाग का अतिरिक्त प्रभार दिया गया था।

तृणमूल ने विपक्ष पर हिंसा भड़काने का आरोप लगाया

तृणमूल ने विपक्ष पर हिंसा भड़काने का आरोप लगाया और मतदाताओं की सुरक्षा में विफलता के लिए केंद्रीय बलों की आलोचना की, जबकि कांग्रेस ने दावा किया कि राज्य ने लोगों पर ठगों को खुला छोड़ दिया है। शनिवार को तारीखों की घोषणा करते हुए, मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा कि चुनाव आयोग चुनाव के दौरान किसी भी हिंसा का बहुत धुंधला दृश्य। श्री कुमार ने कहा कि ईसीआई ऐसी किसी भी घटना पर कड़ी कार्रवाई करने के लिए तैयार है। उन्होंने घोषणा की, हम राजनीतिक दलों को सचेत कर रहे हैं।

बंगाल की सत्तारूढ़ तृणमूल ने अभी तक डीजीपी राजीव कुमार को हटाने पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है, जिन्हें कुछ लोग मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की पार्टी का करीबी मानते हैं। अतीत में, राज्य सरकार ने चुनाव के करीब वरिष्ठ सिविल सेवा और पुलिस अधिकारियों के अंतिम समय में फेरबदल पर सवाल उठाया था, यह तर्क देते हुए कि इससे वास्तव में तैयारी के काम में बाधा आती है क्योंकि नए चेहरों को पद पर समायोजित होने के लिए समय की आवश्यकता होती है।

राजा की आत्मा ईवीएम के अंदर है: राहुल गांधी

मुंबई के शिवाजी पार्क में विरोधी नेता एक मंच पर दिखे

तेजयुग न्यूज

मुंबई: भारत जोड़ो न्याय यात्रा मणिपुर से शुरू होकर रविवार को मुंबई में खत्म हुई। यात्रा की समाप्ति के बाद एक कार्यक्रम में बोलते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक के बाद एक मुद्दों पर भाजपा और नरेंद्र मोदी सरकार पर हमला बोला। रविवार को न्याय यात्रा के समापन समारोह के मंच से राहुल ही नहीं कई भाजपा विरोधी दलों के नेताओं ने भी मोदी सरकार पर निशाना साधा। राहुल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए चुनाव में ईवीएम धांधली का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा, राजा की आत्मा ईवीएम में है।

रविवार को मुंबई के शिवाजी पार्क में न्याय यात्रा के समापन समारोह में भाजपा विरोधी गठबंधन भारत समेत कई राजनीतिक दलों के नेता शामिल हुए। उस सूची में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और डीएमके प्रमुख एमके स्टालिन, राजद नेता और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव, शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और कई अन्य शामिल थे। इसके अलावा शिवाजी पार्क के मंच पर कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी भी मौजूद थीं।

ईवीएम धांधली से लेकर चुनावी बांड तक - राहुल ने कई मुद्दों पर भाजपा सरकार पर हमला बोला है। अपने भाषण में उन्होंने कहा, ईवीएम और देश की जांच एजेंसियां, ईडी, सीबीआई, आयकर विभाग, में एक राजा की आत्मा है।

तेजपुर सेंट्रल जेल में तीन कैदियों के फरार होने के बाद हाई अलर्ट पर

अधीक्षक और अमृत पाल सिंह की हैं मिलीभगत

- जेल के अधीक्षक अवैध गतिविधि में शामिल थे
- लोकसभा चुनाव का फायदा उठाने की साजिश
- इसी जेल में बंद है पंजाब के बड़े आतंकवादी भी

तेजयुग न्यूज

गुवाहाटी : असम की तेजपुर केंद्रीय जेल में तीन कैदियों के भागने के बाद अधिकारी हाई अलर्ट पर हैं। भागने वालों की पहचान इंदजीत मंडल, जहेरुल इस्लाम और थुलेश्वर ताती के रूप में की गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, तीनों जेल की दीवार फांदकर भागने में कामयाब रहे। इंदजीत मंडल मूल रूप से पश्चिम बंगाल के रहने वाले हैं, जबकि जहरुल इस्लाम और थुलेश्वर ताती का संबंध असम के थेलामारा से है।

गौरतलब है कि जहरुल इस्लाम और थुलेश्वर ताती पर बच्चों के अपहरण और बच्चों से दुष्कर्म से जुड़े मामलों में शामिल

होने का आरोप है. इस घटना ने असम की तेजपुर केंद्रीय जेल में सुरक्षा प्रोटोकॉल को लेकर चिंता बढ़ा दी है। अधिकारी भागने के आसपास की परिस्थितियों की सक्रिय रूप से जांच कर रहे हैं और भगोड़ों का पता लगाने और उन्हें पकड़ने के प्रयास तेज कर रहे हैं। इस बीच, भागे हुए कैदियों को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया है।

इस बीच, असम पुलिस ने विशेष जांच में पाया कि डिब्रूगढ़ केंद्रीय जेल के अधीक्षक निपेन दास अवैध गतिविधि में शामिल थे। डिब्रूगढ़ केंद्रीय कारागार में बंद वारिस पंजाब दे संगठन के प्रमुख अमृत पाल सिंह और उनके सहयोगी की असम में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के निदेर्शानुसार अमृत पाल सिंह की सुरक्षा के लिए दिल्ली से दो कंपनियां भेजी जा रही हैं। दरअसल, आगामी लोकसभा चुनाव में अमृत पाल सिंह की ओर से लोकसभा चुनाव का फायदा उठाकर जेल से भागने की कोशिश की जा सकती है।

राष्ट्रपति पद पर फिर छह सालों के लिए चुने गये

एकतरफा और विवादों में घिरे चुनाव में पुतिन की भारी जीत

मॉस्को: व्लादिमीर पुतिन ने रूसी राष्ट्रपति चुनावों में भारी जीत का दावा किया, छह साल का ऐतिहासिक कार्यकाल हासिल किया व्लादिमीर पुतिन ने रविवार को रूस के राष्ट्रपति चुनाव में ऐतिहासिक जीत हासिल की, जिससे व्यापक आलोचना और विपक्ष के विरोध के बीच देश पर उनका लंबे समय से चला आ रहा नियंत्रण मजबूत हो गया। पब्लिक ओपिनियन फाउंडेशन (एफओएम) के एग्जिट पोल के अनुसार, आश्चर्यजनक 87.8 फीसद वोट के साथ, पुतिन की जीत रूस के आधुनिक चुनावी इतिहास में अब तक का सबसे अधिक दर्ज प्रतिशत है। रशियन पब्लिक ओपिनियन रिसर्च सेंटर (वीसीआईओएम) ने भी इसी तरह के आंकड़ों का उल्लेख किया है, जो मौजूदा राष्ट्रपति के लिए भारी समर्थन का संकेत देता है। इस जीत के साथ, पुतिन छह साल के नए कार्यकाल की शुरूआत करने के लिए तैयार हैं, जिससे वह जोसेफ स्टालिन से आगे निकल जाएंगे और कार्यकाल पूरा करने पर 200 से अधिक वर्षों में रूस के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले नेता बन जाएंगे। विशेष रूप से, दूसरे राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार निकोलाई खारितोनोव समाप्त हो गए। केवल 4 प्रतिशत हासिल करके दूसरे, नवागंतुक व्लादिस्लाव दावानकोव तीसरे और अति-राष्ट्रवादी लियोनिद स्लटस्की चौथे स्थान पर रहे, जैसा कि आंशिक परिणाम सुझाए गए हैं। इस बीच, चुनाव परिणाम को संयुक्त राज्य अमेरिका, जर्मनी और यूनाइटेड किंगडम सहित अंतर्राष्ट्रीय आलोचना मिली।

सोमाली जलदस्युओं को भारत लाया गया : नौसेना

तेजयुग न्यूज

नई दिल्ली: शनिवार को खुले समुद्र में बड़े ऑपरेशन में अपहृत व्यापारिक जहाज रूएन और उसके 17 सदस्यीय चालक दल को बचाने के बाद, जिसमें समुद्री कमांडो को भी सी -17 विमान से पैरा-ड्रॉप किया गया और गोलीबारी का आदान-प्रदान हुआ, नौसेना ने अब अपनी हिरासत में मौजूद 35 सोमाली समुद्री लुटेरों को भारत ला रही है। समुद्री डाकू, जिन्होंने क्षेत्र में अन्य वाणिज्यिक जहाजों पर हमले शुरू करने के लिए मदर पाइरेट जहाज के रूप में उपयोग करने के लिए एमवी रूएन की कमान संभाली थी, और यहां तक कि ऑपरेशन के दौरान विध्वंसक आईएनएस कोलकाता से उड़ाए गए एक छोटे स्पॉटर ड्रोन को भी मार गिराया था, उन पर भारतीय धारा के तहत मुकदमा चलाया जाएगा। अब ऐसे मामलों पर मुकदमा चलाने के लिए समुद्री समुद्री डकैती रोधी अधिनियम भी है, जिसे पिछले साल अधिसूचित किया गया था।

सामान्य प्रथा यह है कि पकड़े गए समुद्री डाकुओं को निहत्था करने के बाद उनकी नौकाओं पर छोड़ दिया जाता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे अन्य जहाजों के लिए खतरा पैदा न करें। लेकिन इन 35 समुद्री लुटेरों ने हमारे युद्धपोत पर गोलियां चला दीं। अगर उन्हें जाने दिया गया, तो वे फिर से संगठित हो जाएंगे और अपने समुद्री डकैती के हमले फिर से शुरू कर देंगे, एक अधिकारी ने कहा।

गाइडेड-मिसाइल विध्वंसक आईएनएस कोलकाता ने एमवी रुएन को शुक्रवार को सोमालिया से लगभग 260

समुद्री मील पूर्व में रोक दिया, जिसे 14 दिसंबर को अपहृत किया गया था। विध्वंसक को गश्ती जहाज आईएनएस सुभद्रा, पी-8आई लंबी दूरी के समुद्री गश्ती विमान, उच्च ऊंचाई वाले ड्रोन और अतिरिक्त समुद्री कमांडो द्वारा समर्थित किया गया था, जिन्हें भारतीय वायुसेना के सी-17 ग्लोबमास्टर-क्क्क विमान द्वारा 40 से अधिक की दूरी पर गिराया गया था। जैसा कि टीओआई द्वारा रिपोर्ट किया गया था, भारतीय तट से लगभग 2,600 किमी दूर एक घंटे का ऑपरेशन चला था। नौसेना के प्रवक्ता कमांडर विवेक मधवाल ने कहा, अंतरराष्ट्रीय कानूनों के अनुसार एक संतुलित प्रतिक्रिया में, आईएनएस कोलकाता ने जहाज के स्टीयरिंग सिस्टम और नेविगेशनल सहायता को अक्षम कर दिया, जिससे उसे रुकने के लिए मजबूर होना पड़ा।